>

Title: Regarding problems faced MSME industry in India and particularly in Punjab

डॉ. अमरसिंह (फतेहगढ़साहिब): माननीयअध्यक्षजी, आपकाबहुतधन्यवादकिआपनेमुझेबोलनेकासमयदिया । मैंअपनीकांस्टीटुएंसीफतेहगढ़साहबमेंएमएसएमईइंडस्ट्रीकीसमस्याकेबारेमेंबतानाचाहताहूं । माननीयमंत्रीजीआजसुबहजवाबदेरहेथेकि 40 से 50 परसेंटएक्सपोर्टएमएसएमईसेहैऔरज्यादातरएम्पलाएमेंटएमएसएमईमेंहै ।

मेरेक्षेत्रमेंचारकलस्टर्सहैं, सबसेबड़ाकलस्टरमंडीगोबिंदगढ़है, जहांस्टीलरोलिंगमिल्सहैं । सरहंदमेंट्रकोंऔरबसोंकीबॉडीबनतीहैं, मशीनोंकेपार्ट्सबनतेहैं ।खन्नामेंकैटलफीडफैक्ट्रियांहैं, सॉल्वेंटप्लांटहैं । सानेवाललुधियानाकासब-अर्बनएरियाहै, इसमेंप्लाईवुडइंडस्ट्री, हौजरी, टैक्सटाइल्स, एपैरलऔरबहुतकुछहै ।प्लाईवुड, एपैरलऔरटैक्सटाइल्समेंसबसेबड़ीसमस्याहैकिचीनइतनामालबांग्लादेशऔरबर्मकिथ्रूडम्पकररहाहैकितीनों-चारोंइंडस्ट्रीबैठनेकेकगारपरहैं ।इनकेबहुतसेयुनिट्सबंदहोरहेहैं । मैंभारतसरकारसेनिवेदनकरूंगाकिकिसीतरहसेइनकीमददकीजाएक्योंकिमालइतनासस्ताआरहाहैकिइंडस्ट्रीकम्पीटनहींकर ।

अबटैक्सकीबातआतीहै ।एमएसएमईमेंसारादेशकाहीसफरकररहाहै । तीनबातेंटैक्ससेसंबंधितहैंऔरइसेसरकारकेध्यानमेंलानाबहुतजरूरीहै ।स्टीलरोलिंगमिल्सपरदोतरहकीकस्टमड्यूटीलगतीहै ।पंजाबलैंडआयरनओरकेपासनहींहै, सारास्क्रैपबाहरसेआताहै ।इसपरदोतरहकीकस्टमड्यूटीहै – 2.5 परसेंटऔर 5 परसेंट ।रॉमैटीरियलपरकस्टमड्यूटीबहुतज्यादाहैऔरइसकीवजहसेबहुतसमस्याहोरहीहै ।मेरीमांगहैकिइसेमाफकरनाचाहिए ।

पहलेसैंट्रलएक्साइज़में 100 परसेंटछूटथी, अबजीएसटीमेंकोईछूटनहींहै ।मेरानिवेदनहैकिकमसेकमसैंट्रलजीएसटीमें 50 परसेंटवापसकियाजाए ।कारपोरेटटैक्सकमकिएहैं, 30 से 22 परसेंटऔरनएयुनिटकेलिए 15 परसेंटकियाहै । इसमेंप्रापराइटरीफर्म्सऔरपार्टनरशिपफर्म्सछोड़दीगईहैं ।येसबतोछोटेलोगहैं, अगरइनकोजोड़दियाजाएगातोबहुतफायदाहोजाएगा ।धन्यवाद ।